म.प्र. पॉवर ट्रांसमिशन कम्पनी लिमिटेड

(मध्यप्रदेश शासन के पूर्ण स्वामित्व का उपक्रम)

CIN : U40109MP2001SGC014880

रजिस्टर्ड ऑफिस : शक्ति भवन, रामपुर, जबलपुर – 482 008 (म.प्र.)

दूरभाष : (0761) 2661234, फैक्स : (0761) 2664141, ई–मेल : md@mptransco.nic.in, वेब–साईट : mptransco.nic.in

क्रं. जनसंपर्क वि. / ट्रांसको / पीआरओ / एन / 87 जबलपुर / दिनांक 30.03.2022

समाचार

ट्रांसको के स्टेट लोड डिस्पेच सेंटर के डाटा से बनेगा पावर सेक्टर के लिए उपयोगी साफ्टवेयर
देश के नामी बिजली विशेषज्ञों ने किया लोड डिस्पेच सेंटर का दौरा

जबलपुर। मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी के स्टेट लोड डिस्पेच सेंटर जबलपुर के डाटा से पावर सेक्टर के लिए एक बेहद उपयोगी साफ्टवेयर तैयार किया जा रहा है। यह साफ्टवेयर आई. आई.टी. इंदौर की इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग की प्रोफेसर डा. तृप्ति जैन तैयार कर रही हैं जिसमें मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी सहयोग करेगी। इस सिलसिले में उन्होंने गत दिवस स्टेट लोड डिस्पेंच सेंटर जबलपुर का दौरा कर इस सेंटर में संधारित किए जाने वाले विभिन्न प्रकार के डाटा एवं कार्यप्रणाली के बारे में जानकारी प्राप्त की।

इस साफ्टवेयर के लिए ट्रांसको अपने लोड डिस्पेच सेंटर जबलपुर में संधारित हो रहे पी.एम.यू. (फेसर मेजरमेंट यूनिट) का डाटा उन्हें अध्ययन के लिए उपलब्ध करायेगा इस दौरे के समय मुख्य अभियंता मानव संसाधन व प्रशासन इंजी. संदीप गायकवाड़ उनके साथ उपस्थित थे। लोड डिस्पेच सेंटर के अति. मुख्य अभियंता इंजी. आर.ए.शर्मा ने बताया कि पी एम यू (फेसर मेजरमेंट यूनिट) से ट्रांसमिशन सिस्टम की मॉनिटरिंग और उसका विश्लेषण किया जाता है। ये सिस्टम वर्तमान में क्रियाशील स्काडा सिस्टम से भी 200 गुना ज्यादा तेज है जो पूरे प्रदेश के पावर सिस्टम का रियल टाइम डाटा एक सेंटर में उपलब्ध करवाता है जिसमें इलेक्ट्रिकल सिस्टम के सभी पैरामीटर समाहित रहते है जिससे रियल टाइम में सबस्टेशनों के उपकरणों व अति उच्चदाब लाइनों के पैरामीटर आप्टिकल फाइबर केबल के माध्यम से हाई स्पीड में उपलब्ध होते हैं जो सिस्टम की मानिटरिंग और बचाव में बेहद उपयोगी हैं। इन सभी विभिन्न प्रकार के डाटा का अध्ययन कर डा. तृप्ति जैन पावर सेक्टर के आपरेशन हेतु साफ्टवेयर तैयार करेंगी उनका यह प्रयास सफल होने पर पूरे भारत वर्ष के पावर सेक्टर को मदद मिलेगी। एन.आई.टी. अगरतला के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के एसोसियेट प्रोफेसर डा. अरविंद कुमार जैन भी इस प्रोजेक्ट में उनके साथ संबद्ध हैं।

2.62 प्रतिशत पारेषण हानि सुन अचंभित रह गये विशेषज्ञ

लोड डिस्पेच के दौरे के समय उनके साथ उपस्थित मुख्य अभियंता मानव संसाधन व प्रशासन इंजी. संदीप गायकवाड़ ने जब उन्हें बताया कि मध्यप्रदेश में ट्रांसकों की पारेषण हानि 2.62 प्रतिशत है जो कि एम पी ईआर सी की गाइड लाईन की अधिकतम पारेषण हानि सीमा से भी बहुत कम है तो यह सुनकर दोनों विशेषज्ञ चकित रह गये। उन्होंने कहा कि हम अभी भी विद्यार्थियों को 10 प्रतिशत पारेषण हानि ही पढ़ाते है लेकिन अब इसे एम पी ट्रांसकों का उदाहरण देकर पढ़ायेगें कि सही दिशा में किये प्रयासों से पारेषण हानि को इतना कम भी किया जा सकता है।

सादर प्रकाशनार्थ

शशिकांत ओझा
जनसंपर्क अधिकारी
म.प्र.पा.ट्रांस.कं.लि. जबलपुर
9425805022, 9425446313